SEAT (v.) : I. To s. oneself : आसने उपविशति, सम्-, (विश्, c. 6.), निषीदति (सद्, c. 1.), etc. II. To s. another : आसने उपवेशयति (c. of विश्) *or* अभिनिवेशयति, Si. i. 15.

SEATED : I. Lit. : (1) आसीन (f. ना), *and when all of them had s.* : सर्वासु चासीनासु तासु, K. ; (2) उपविष्ट (f. ष्टा), सम्- ; (3) स्थ (f. स्था) in comp., *s.in heart* : हृदयस्थ (f. स्था), R. x. 19. II. Rooted : q.v.

SECANT : in math. : *विच्छेदिका.

SECEDE : (1) अपसरति (सृ, c. 1.) : v. To retire, withdraw ; (2) आश्रयति (श्रि, c. 1.= to betake to, as to a different league).

SECEDER : (1) भिन्नमतग्राहिन् (f. णी) ; (2) मतान्तराश्रित (f. ता) ; and sim. comp.s.

SECESSION : (1) अपसरणम् : v. Withdrawal ; (2) मतान्तरग्रहणम् and sim. expr.s. (in opinion).

SECLUDE : I. To shut up : q.v. : निरुणद्धि (रुध्, c. 7.). II. To live in seclusion : विविक्तम् आश्रयति (श्रि, c. 1.) ; एकान्ते वसति (वस्, c. 1.) ; etc.

SECLUDED (adj.) : (1) विविक्त (f. क्ता), *in a s. spot* : विविक्तप्रदेशे, P. i. 4. ; (2) विजन (f. ना) v. Lonely, solitary ; (3) निभृत (f. ता) : v. Quiet.

SECLUSION : (1) विविक्तता, -त्वम् (the state) ; (2) विविक्तम्, *heart-satisfying s.* : चित्तनिर्वृतिविधायि विविक्तम्, Ki. ix. 71. ; (3) रहस् (n.=privacy).

SECOND (adj.) : द्वितीय (f. या), *in the s. (8th portion)* : द्वितीयेऽ(ष्टमे भागे), D. viii. ; *this title does not belong to a s.* (*i.e.* to any body else) : द्वितीयगामी न हि शब्द एष नः, R. iii. 49. Ph. : *without a s.* (i.e. parallel) : (1) अद्वितीय (f. या) ; (2) अतिद्वय (f. या : rare), K.

SECOND (v.) : अनुकूलयति : v. To help, favour.

SECOND (subs.) : I. Of time : (1) पलम्, वि- ; (2) विकला : v. Moment. II. Promoter, supporter : q.v. : अनुकूलकारिन् (f. णी).

SECOND-HAND : I. Not new : (1) अन्यभुक्त (f. क्ता) and sim. comp.s. (2) पुराण (f. णा = old : q.v.). II. Not original : *s. witness* : श्रुतसाक्षी, Mit. ; *s. knowledge* : अन्यमूलं ज्ञानम् (?).

SECOND-RATE : (1) द्वितीयश्रेणीय (f. या) ; (2) मध्यम (f. मा = middling).

SECONDARY : (1) perh. द्वैतीयिक (f. की) ; (2) अप्रधान (f. ना) and sim. comp.s. (=not chief : q.v.) : v. Also second-rate.

SECONDARILY : (1) द्वितीयतः (=secondly) ; (2) गौणतः (=figuratively).

SECONDER : (1) अनुकूलयितृ (f. त्री) ; (2) पक्ष-समर्थक (f. र्थिका) ; and sim. comp.s.

SECONDLY : (1) द्वितीयतः ; (2) द्वितीयम् ; (3) तत्र पुनः (=then again).

SECOND SIGHT : दिव्यचक्षुस् (n.) and sim. comp.s., *endowed with s.* : दिव्येन चक्षुषा समन्वित (f. ता), Mah. vi. 2. 10. : v. Sight.

SECRECY : (1) गूढता, नि- ; (2) गुह्यता ; (3) गोपनीयता ; (4) गुप्तिः : for dif. : v. Secret, seclusion.

SECRET : (adj.) : I. Concealed, hid : (1) गूढ (f. ढा), नि-, *surrounded by s. emissaries* : गूढ-पुरुषैः परिवृतः, D. viii. ; (2) गुप्त (f. प्ता) ; (3) छन्न (f. न्ना), प्र-. II. What should be concealed : (1) गुह्य (f. ह्या), *shall not disclose master's s. doings and plans* : गुह्यं कर्म च मन्त्रं च न भर्तुः सम्प्रकाशयेत्, Ka. v. 31. ; (2) रहस्य (f. स्या) : (3) गोप्य (f. प्या) ; (4) गोपनीय (f. या) : v. Secret (subs.). III. Occult : (1) गूढ (f. ढा), नि- ; (2) गुह्य (f. ह्या). IV. Secluded, retired : q.v. : गूढ (f. ढा), नि-.

SECRET, KEEP : (1) निह्नुते (ह्नु, c. 2. : with abl.), *keeping (it) very s. for two, three, four (days)* : द्वित्रिचतुरमतिनिह्नुत्यापि, D. ii. ; (2) गोपायति (गुप्, c. 10.), (gen. with dat.), *not to k. (it) s. from you* : किं ते गोपायित्वा, D. vi. ; (3) नि-गुहति, -ते (गुह्, c. 1. : with dat, or abl.), *why do you k. this disease s.* : किमेतमात्मन उपद्रवं निगूहसि, Sa. iii.

SECRET (subs.) : (1) रहस्यम्, *and the s. will not ooze out* : रहस्यञ्च न स्रवति, D. ii. ; *not to divulge the s.* : रहस्यानिर्भेदाय, D. ii. ; *have you kept the s. entrusted to you* : रक्ष्यते भवता रहस्य-निक्षेपः, V. ii. ; *does not communicate (his) s.s* : न रहस्यानि विवृणोति, D. viii. ; (2) गुह्यम्, गोप्यम्, etc. (n. of adj.s from गुह and गुप्), *if it is*